दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

मई 2010

दिनांकः 24.05.2010 समयः10.00 बजे से 1.00 बजे तक

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

एम.फिल. परीक्षा

प्रश्न पत्रः 1

शीर्षक :शोध प्रविधि

समयः 3 घंटे पूर्णांकः 75

सूचनाः 1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिएः

2. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।

3. कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

5x15=75

1. अनुसंधान का संकल्पनात्मक अर्थ स्पष्ट करते हुए उसकी विभिन्न परिभाषाओं की व्याख्या कीजिए।
2. आदर्श शोध का स्वरूप निर्धारण कीजिए। आदर्श शोध की प्रक्रिया भी समझाइए।
3. साहित्यिक एवं भाषावैज्ञानिक शोध के प्रयोजन स्पष्ट कीजिए।
4. शोध में प्राक्कल्पना की उपयोगिता बताते हुए श्रेष्ठ प्राक्कल्पना के गुणों की व्याख्या कीजिए।
5. शोध में तथ्य और सत्य की क्या भूमिका होती है? तथ्य के प्रकारों की विवेचना कीजिए।
6. साहित्यिक और वैज्ञानिक शोध के साम्य–वैषम्य पर एक निबंध लिखिए।
7. शोध और आलोचना के भेदों की विवेचना कीजिए।
8. शोध कार्य के लिए 'शोध की रूपरेखा' का महत्व बताते हुए किसी विषय की एक रूपरेखा तैयार कीजिए।
9. शोध सामग्री के वर्गीकरण और विश्लेषण पर विचार स्पष्ट कीजिए।
10. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिएः**

क. मीमांसा और सर्वेक्षण

ख. कल्पना और विपरीत कल्पना

ग. आलोचना की परिभाषा

घ. तुलनात्मक शोध के प्रकार

च. ग्रंथ–सूची निर्माण के नियम

****

दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास

मई 2010

दिनांकः 25.05.2010 समयः10.00 बजे से 1.00 बजे तक

उच्च शिक्षा और शोध संस्थान

दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

एम.फिल. परीक्षा

प्रश्न पत्रः 2

शीर्षक :आलोचना की दृष्टियाँ (आलोचना प्रविधि)

समयः 3 घंटे पूर्णांकः 75

सूचनाः 1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिएः **5x15=75**

2. अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।

1. 'आलोचना' की परिभाषा बताते हुए उसके मुख्य प्रकारों का विवेचन कीजिए।
2. ऐतिहासिक आलोचना दृष्टि के विविध आधारों की व्याख्या करते हुए इसकी सीमाएँ स्पष्ट कीजिए।
3. साहित्य के समाजशास्त्र को आलोचना का आधार बनाकर संभावित अध्ययन की विविध दिशाओं की चर्चा कीजिए।
4. मनोविश्लेषणवादी आलोचना के मूलभूत सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।
5. 'रूप' और 'वस्तु' के अंतः संबंध पर एक निबंध लिखिए।
6. भरतमुनि और भामह की सौंदर्यपरक अवधारणाओं का विवेचन कीजिए।
7. शैलीय उपकरणों के रूप में 'चयन' और 'विचलन' पर चर्चा कीजिए।
8. रसवादी दृष्टि से सूरदास के पद ''मधुबन, तुम कत रहत हरे'' की सम्यक् आलोचना कीजिए।
9. 'अंधा युग' की मिथकीय आलोचना कीजिए।
10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिएः–

    क. कफ़न : ऐतिहासिक आलोचना

    ख. 'अनागत': रूपवादी आलोचना

    ग. भारत में मार्क्सवादी आलोचना का सूत्रपात

    घ. रसवादी आलोचना दृष्टि की विशेषताएँ और सीमाएँ।

****